UP Board Notes Class 8 Sanskrit Chapter 19 संगणकः अस्मि

हिन्दी अनुवाद-

कम्प्यूटर- छात्रों!
छात्र- (सुनकर) अरे! किसका स्वर है?
कम्प्यूटर- हे बालकों! मैं यहाँ हूँ।
छात्र- (देखने के लिए और पास में जाकर) तुम्हारा नाम क्या है?
कम्प्यूटर- मेरा नाम कम्प्यूटर है। मैं घर-घर में (प्रत्येक घर में) रहता हूँ। क्या (तुम) नहीं जानते हो?
एक छात्र- नहीं, तुम यहाँ विद्यालय में रहते हो मेरे घर में तो नहीं रहते हो?
कम्प्यूटर- हाँ! इस समय तुम्हारे घर में नहीं रहता हूँ। जब मेरे साथ तुम्हारा परिचय हो जायेगा, तब तुम्हारे घर में भी रहूँगा।
एक छात्र- सच कह रहे हो। परिचय के बिना घर में प्रवेश नहीं हो सकता। हे कम्प्यूटर! तुम्हारा पूरा परिचय क्या है?
सब छात्र- तुम्हारा परिचय क्या है? तुम्हारा परिचय क्या है? छात्र शोर करते हैं।
कम्प्यूटर- हे छात्रों! शोर मत करो। सुनो। तुम सब ध्यान देकर और चुप होकर सुनना चाहते हो।
(सब छात्र चुप बैठ जाते हैं।) ।
छात्र- श्रीमान् कम्प्यूटर महोदय! हम ध्यान से सुनेंगे।
कम्प्यूटर- सूचनाओं का संग्रह, उनकी व्यवस्था दोबारा शीघ्रता से प्रदान करना ही मेरा कार्य है। अतः सब जगह मैं हूँ। मैं विद्यालय के परीक्षा-कार्य में, अंक-पत्र निर्माण में और प्रमाणपत्र निर्माण में योगदान करने में समर्थ हूँ। मैं इन्टरनेट के माध्यम से सूचनाओं की वर्षा करता हूँ।।

छात्र – कम्प्यूटर! इन्टरनेट के माध्यम से क्या होता है?
कम्प्यूटर- इन्टरनेट के माध्यम से विश्व (सारा संसार) एक घर होता है (बन जाता है)। घर में ही (रहकर) रेलयान के, वायुयान के आरक्षण (सीट बुक करना), वस्तुओं के क्रय-विक्रय, ईमेल द्वारा संदेश भेजना, वेबकैम द्वारा शब्द सहित चित्र तथा सन्देश भेजना (सब) हो जाता है। अरे बालकों। क्या-क्या नहीं होता है? क्षण भर में सूचना आ जाती है और भेज दी जाती है।
छात्र – अहो, अद्‌भुत! यह इन्टरनेट व्यवस्था। (बालक कम्प्यूटर के चारों ओर घूमते हैं और गाते हैं)

“तुम कम्प्यूटर हो। तुम कम्प्यूटर हो। निश्चय ही तुम्हारा अच्छी तरह विकास हो। जहाँ, तहाँ, सब जगह दिखाई देते हो। दिन-रात तुम्हारा खेल (क्रीड़ा) हो।

https://www.evidyarthi.in/